Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बड़े अस्पताल बनकर रह चुके है महज रेफर सेंटर

बड़ी बीमारी के इलाज के लिए जिले में जानकार डाक्टरों की बनी भारी कमी

जिम्मेदार कौन

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ का हरगोविन्द महिला अस्पताल हो चाहे जिले का सबसे बड़ा अस्पताल बी डी पांडे अस्पताल मेल हॉस्पिटल वर्तमान में मरीजों को देखने के लिए खासतौर पर जानकार डॉक्टरों की खासी कमी बनी हुई है।

जानकारी के मुताबिक सीमांत जपनद पिथौरागढ के अस्पताल में पडोसी देश नेपाल ,चंपावत ,खुद सीमांत जनपद के दूरदराज के सूदूरवर्ती गांवों से बीमार व प्रसव पीड़ा से जूझते मरीजों को दिखाने के लिए इन बड़े अस्पतालों में आने वाले मरीजों के परिजनों को देखा जा सकता है। मगर अब सीमांत के दोनों बड़े अस्पताल महज केवल वर्तमान में रेफर सेंटर बनकर रह चुके है। जहां एक ओर जिले के हरगोविंद पंत चिकित्सालय में जहां वर्तमान में प्रसव पीड़िता को देखने के लिए महिला चिकित्सक की कमी बनी हुई है।

वही ऐसे में हर रोज जिले में अन्य पड़ोसी देशों व दूर दराज के सूदूरवर्ती पर्वतीय गांवों से प्रसव के लिए जिले के महिला अस्पताल में आने वाली प्रसव पीडिताओं को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर होना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक जिला महिला अस्पताल में चिकित्सकों के आठ स्वीकृत पदों में दो पद वर्तमान में खाली चल रहे है। जिले में चिकित्सा अधिकारी के 17 पद स्वीकृत है मगर हालात यह है कि नौ पद लंबे समय से खाली चल रहे है। गंगोलीहाट में बीस पद स्वीकृत है जबकि छह पद खाली चल रहे है। मूनाकोट बडालू में बारह पद स्वीकृत है जबिक दो पद खाली चल रहे है।

कलानीछीना अस्पताल में पंद्रह पद स्वीकृत है जबकि पांच पद खाली चल रहे है। धारचूला अस्पताल में बाइस पद स्वीकृत है जबकि एक पद खाली चल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र डीडीहाट में सत्रह पद स्वीकृत है तो ग्यारह पद खाली चल रहे है। बेरीनाग में चौदह पद स्वीकृत है तो पांच पद खाली चल रहे है। वही मुंसयारी में उन्नीस पद स्वीकृत है तो दस पद खाली चल रहे है। अब बात करें सीमांत जनपद के मेल चिकित्सालय बी डी पांडे अस्पताल की तो सीमांत जिले में लंबे समय से बदहाल पड़ी स्वास्थ सेवाओं के लिए मरीज व उनके परिजन खासतौर पर परेशान चल रहे है।

जिला मुख्य चिकित्साअधिकारी डांक्टर हरीशचंद्र पंत ने बताया कि सीमांत के अस्पतालों में लंबे समय से चिकित्सक के पद खाली चल रहे है। पदों को भरने के लिए शासन को कई बार पत्र मोदन कर दिया गया है मगर आज तक शासन से उचित जवाब नही आया। प्रयास लगातार जारी है।

इक्कीस पदों पर नियमित चिकित्सक कार्यरत

जिले के सबसे बड़े इस अस्पताल में वर्तमान में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित बासठ चिकित्सकों के पद वर्तमान में खाली चल रहे है। जिला अस्पताल में चिकित्सकों के चौतीस पद स्वीकृत है। इक्कीस पदों पर नियमित चिकित्सक कार्यरत है। बता दें कि सबसे बड़ी बीमारी के इलाज के आने वाले मरीजों के लिए हदय रोग स्पेलिस्ट ,न्यूरोलाजिस्ट ,रेडियोलाजिस्ट , चर्म रोग विशेषज्ञ के 13 पद वर्तमान में खासतौर पर खाली पड़े हुए है।

न्यूज डायरी

आईआईटी रुड़की के पूर्व विशिष्ट विद्यार्थियों के लिए सालाना पुरस्कारों की घोषणा

संवाददाता रुड़की। आईआईटी रुड़की ने साल 2021 के लिए अपने विशिष्ट पूर्व विद्यार्थी पुरस्कार (डीएए), उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार (ओएसए) और विशिष्ट युवा पूर्व विद्यार्थी (डीवाईएए) की घोषणा की। आईआईटी रुड़की अपने पूर्व विद्यार्थियों को उनके चुने हुए करियर में उत्कृष्ट योगदान के लिए हर वर्ष ये सम्मान देता है। गौरतलब है कि पहली बार ओएसए संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों को अल्मा मेटर की उत्कृष्ट सेवा के लिए दिया गया। डीएए, डीवाईएए और ओएसए के लिए पूरी दुनिया से नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं और इस वर्ष क्रमशः डीएए एवं डीवाईएए 2021 के लिए 163 और 37 नामांकनों पर विचार किया गया। बीते वर्षों में संस्थान के स्नातकों ने उद्योग, व्यवसाय, सरकार, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में उत्कृष्टता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के साथ–साथ सफल उद्यमी बन कर या समाज सेवा में योगदान देकर संस्थान का नाम ऊंचा किया है।

अल्मोड़ा के सोमेश्वर रेंज में बहुपयोगी देवदार के पेड़ काटे

संवाददाता सोमेश्वर (अल्मोड़ा)। वन चौकी क्षेत्र में हरियाली के पहरेदारों की नाक तले देवदार के हरेभरे पेड़ काट गिराए गए हैं। सूत्र बताते हैं कि कंपार्टमेंट नंबर–11 में बहुपयोगी देवदार व अन्य पेड़ों के अवैध कटान और तस्करी का खेल अरसे से चल रहा है। ठीकठाक गोलाई वाले चार बड़े वृक्षों के ठूंठ इसकी तस्दीक कर रहे। सूत्र यह भी दावा करते हैं कि विभागीय स्तर पर कंपार्टमेंट की गहन जांच की जाय तो और बड़ा खुलासा हो सकता है। इधर डीएफओ ने कहा कि स्थलीय निरीक्षण कर जांच कराएंगे।

पीरामल ग्रुप ने डीएचएफएल के अधिग्रहण के लिए 34,250 करोड़ का किया भुगतान

संवाददाता देहरादून। पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (पीईएल, एनएसई– पीईएल, बीएसई– 500302) ने आज दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) के अधिग्रहण के लिए भुगतान करने का एलान किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में आईबीसी रूट के तहत होने वाला यह पहला सफल समाधान है। मूल्य के संदर्भ में यह ट्रांजेक्शन अब तक के सबसे बड़े प्रस्तावों में से एक है, जो इस क्षेत्र में भविष्य के प्रस्तावों के लिए मिसाल कायम करता है। इस अवसर पर बोलते हुए पीरामल ग्रुप के प्रेसीडेंट अजय पीरामल ने कहा, ''हमें इस उपयोगी अधिग्रहण को पूरा करने के लिए किए गए भुगतान की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। इस तरह हम एक अग्रणी और डिजिटल रूप से उन्मुख, विविध वित्तीय सेवा समूह बनने की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ने में कामयाब हुए हैं।

हाईप्रोफाइल पुस्तकालय घोटाले की टेंडर से लेकर भुगतान तक के रिकॉर्ड तलब

संवाददाता नैनीताल। हाई कोर्ट ने हरिद्वार में 2010 में हुए पुस्तकालय घोटाले के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पुस्तकालय के टेंडर से लेकर अब तक का पूरा रिकार्ड कोर्ट में पेश करने को कहा है। कोर्ट ने कहा अगर राज्य सरकार रिकॉर्ड नहीं उपलब्ध कराती है तो मामले की सीबीआइ से जांच कराई जाएगी।

बुधवार को मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शिव भट्ट ने कोर्ट को बताया 12 पुस्तकालय में से 10 पुस्तकालय जो बनाए गए है। यह सभी मंदिरों में व स्थानीय विधायक मदन कौशिक के वर्करों के घरों में बनाए गए है, जो अभी चालू हालत में नही है। इनमें से पांच पुस्तकालय पर कब्जा नहीं लिया जा सकता, क्योंकि वे घरों में बने है, जिसका संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने सारा रिकॉर्ड तलब किया।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आरएस चौहान व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ में देहरादून निवासी सच्चिदानंद डबराल की जनहित याचिका दायर कर कहा है कि 2010 में तत्कालीन विधायक मदन कौशिक के द्वारा विधायक निधि से करीब डेढ़ करोड़ की लागत से 16 पुस्तकालय बनाने के लिए पैसा आवंटित किया गया था । पुस्तकालय बनाने के लिए भूमि पूजन से लेकर उद्घाटन तक का फाइनल पेमेंट कर दी गई लेकिन आज तक धरातल पर किसी भी पुस्तकालय का निर्माण नहीं किया गया।

भाजपा नेता बलजीत सोनी के पिताजी के अन्तिम अरदास में शामिल हुए सीएम

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बुधवार को रेसकोर्स स्थित गुरुद्वारे में भाजपा नेता बलजीत सोनी के पिताजी के अन्तिम अरदास में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बलजीत सोनी के परिजनों से भेंटकर उनके पिताजी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।

सड़क पर बने गड्ढे दुर्घटना को दे रहे है दावत, ग्रामीण बिफरे

संवाददाता पिथौरागढ़। जीआईसी सुकौली मोटर मार्ग पर सुधारीकरण और चौड़ीकरण में हो रही देरी को लेकर इलाके के ग्रमीण खासे परेशान हो चुके है। बता दें कि सड़क पर बने गड्ढे कभी भी दुर्घटना को दावत दे सकते है। जानकारी के मुताबिक यह सडक सीमांत के जीआइसी ,हुडैती ,पौण, पपदेव ,बडौली,सुकौली ,टकाडी के गांवों को जोडने वाली मुख्य सडक है। क्षेत्र के ग्रमीण लंबे समय से सड़क की दुर्दशा को सुधारे जाने को लेकर आंदोलन भी कर चुके है। वही सड़क में मुख्य स्थान पर बना गड्ढा इलाके के ग्रमीणों को खतरे में ले रहा है। ऐसे में इस सड़क पर दुपहिया वाहनों

के चलने में खासा खतरा मंडरा रहा है। इस सड़क पर प्रसिद्व कौशल्या मामा का मंदिर व रामचंद्र मिशन का आश्रम और बौद्व मठ भी है। दूर दराज से व स्थानीय ग्रमीण पूजा अर्चना के लिए धार्मिक अनुष्ठान के लिए यहां आते है मगर अब तक यहां निमार्ण कार्य में रोजाना देरी हो रही है। ऐसे में ग्रमीणों के साथ अन्य राहगीरों को बरसात में जान हथेली में डालकर आवाजाही करने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रमीण भी कह रहे है कि इस स्थान पर सड़क की हालत बेहद खराब है। वही दूसरी ओर पहले चरण में जीआईसी की चहारदीवारी व गेट का निमार्ण किया जा रहा है। सड़क के काम में अभी फिलहाल देरी बनी हुई है। इस बारे में लोनवि के सहायक अभियंता दिनेश जोशी ने जानकारी दी है कि सड़क का कटान किया जा चुका है। बारिश के कारण सड़क निमार्ण का कार्य प्रभावित हो रहा है। सड़क का कार्य पूरा होने में अभी इंतजार करना पड़ेगा। पहले चरण में फिलहाल जीआईसी स्कूल की चहारदीवार समेंत अन्य काम किये जा रहे है। गांव के ग्रमीण व स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द सड़क को ठीक करने के साथ सड़क पर हाटमिक्स करने की मांग भी तेज कर दी है।

मैक्स अस्पताल देहरादून में लांच हुआ पहला रेडियल हीलिंग सेंटर

संवाददाता देहरादून। कार्डिएक कैथीटेराइजेशन पिछले कई दशकों में एक लंबा सफर तय कर चुका है, जिससे प्रक्रियाओं को सुरक्षित, तेज और ऐसी तकनीकों के साथ बनाया गया है जो बीमारी से ठीक होने के समय को काफी कम कर देती हैं और रोगियों के अनुभव में सुधार करती हैं। इसे रेडियल एक्सेस के माध्यम से प्राप्त किया गया है। रेडियल एक्सेस तब होता है जब पैर या कमर में प्रवेश बिंदु की जगह कलाई में रेडियल धमनी का उपयोग कैथेटर के लिए प्रवेश बिंदु के रूप में किया जाता है।

मैक्स–सुपर–स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी विभाग की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ प्रीति शर्मा के अनुसार, भारत में ट्रांस रेडियल एक्सेस धीरे–धीरे बढ़ रहा है क्योंकि ज्यादातर चिकित्सक रक्तस्राव की जटिलताओं को कम करने, रोगी के आराम में वृद्धि और रिकवरी में तेजी के लिए ट्रांस रेडियल एक्सेस पर स्विच कर रहे हैं।